दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 01 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 305

महत्वपूर्ण एवं खास

मणिपुर में भारी बारिश के बीच भूस्खलन, महिला और नवजात की मौत

इंफाल (आरएनएस)। देश के कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है. केरल में मंगलवार को हुए भारी भूस्खलन से अब तक 158 लोगों की मौत हो गई है. जबकि लापता लोगों की तलाश की जा रही है. इस बीच पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में भूस्खलन की खबर है. बताया जा रहा है कि एक गांव में हुए भूस्खलन की चपेट में आने से एक महिला और उसके नवजात बच्चे की मौत हो गई है. एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, यह भूस्खलन दिम्थनलोंग गांव में हुई. भूस्खलन में एक घर ढह गया है जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल रिंग्सिनलुंग काहमी भी घायल हुआ है. घायल पुलिस कांस्टेबल को इलाज के लिए इंफाल के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है. जहां उसकी स्वास्थ्य स्थिति ठीक बताई जा रही है. बता दें कि इस बार मानसून के सीजन में पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हुई है. भारी बारिश के चलते असम में बाढ़ आ गई. राज्य की सभी नदी और नाले खतरे के निशान से ऊपर बहने लगे. असम में आई बाढ़ में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई. जबकि दर्जनों जानवर भी मारे गए. जबकि लाखों लोग इस बाढ़ से प्रभावित हुए हैं. वहीं लाखों हेक्टेयर फसल बाढ़ में बढ़ गई.

लद्दाख में बढ़ते तापमान की वजह से तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर, मौसम विशेषज्ञ चिंतित

नईदिल्ली (आरएनएस)। लद्दाख में ग्लोबल वॉर्मिंग का असर काफी तेजी से दिखाई दे रहा है। यहां बढ़ते तापमान की वजह से ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिसने मौसम विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है।बुधवार को लद्दाख मौसम विभाग के निदेशक सोनम लोटस ने कहा, तापमान में तेज वृद्धि, खासकर लद्दाख में, वास्तव में चिंता का विषय है। ग्लेशियर हमारे प्राकृतिक संसाधन हैं और बहुत ही मूल्यवान हैं। हमें उस ग्लेशियर से पानी मिलता है। सोनम लोटस ने आगे कहा कि अगर तापमान इसी तरह बढ़ता रहा तो तेज गर्मी बर्फ के बड़े-बड़े पिंडों को तेजी से पिघला देगी और इसका असर पूरे देश में दिखेगा।उन्होंने कहा कि लद्दाख का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस मैदानी इलाकों के 40 डिग्री के बराबर है। ऊंचाई पर होने से यह तेजी दिखाती है।बता दें कि तापमान बढऩे के कारण लद्दाख के लेह हवाई अड्डे से पिछले 4 दिन में 16 उड़ानें रद्द की गई हैं।

ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय प्रशासनिक सेवा की ट्रेनी अधिकारी पूजा खेडकर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। दिल्ली की एक अदालत ने धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में आरोपी पूजा की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। कल शाम 4 बजे पटियाला हाउस कोर्ट अपना फैसला सुनाएगा। दिल्ली पुलिस ने पूजा खेडकर की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि अगर पूजा को अग्रिम जमानत मिल जाएगी तो जांच पर इसका असर पड़ेगा, लिहाजा पूजा को जमानत न दी जाए। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने पूजा खेडकर के खिलाफ यूपीएससी की शिकायत पर एक एफआईआर दर्ज की है।

रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल पद की ली शपथ

❐ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नए राज्यपाल को दी बधाई

रायपुर। आरएनएस

रमेन डेका ने आज राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित गरिमामय समारोह में छत्तीसगढ़ के 10 वें राज्यपाल के रूप में अपने पद की शपथ ली। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने उन्हें शपथ दिलाई। राज्यपाल डेका ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। इस अवसर पर प्रथम महिला रानी डेका काकोटी उपस्थित रहीं। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने राज्यपाल डेका को पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका अभिवादन किया और शुभकामनाएं दी।

समारोह में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने रमेन डेका को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा जारी वारंट ऑफ अपॉइंटमेंट पढ़ा। शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ और समापन सेरेमोनियल पुलिस बैंड द्वारा बजाए गए राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर राज्य गीत की धुन भी बजाई गई। शपथ ग्रहण के उपरांत राज्यपाल रमेन डेका को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव, वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी, वन एवं जलवायु परिवर्तन केदार कश्यप, वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व, खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सहित अन्य विधायकगण उपस्थित थे।

समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के आयुक्त एन.के. शुक्ला, आलोक चंद्रवशी, छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक, छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, नारायण चंदेल, गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व मंत्री, सांसद, विधायकगण सहित जनप्रतिनिधि, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, मनोज पिंगुआ, राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल व्ही.पी.वर्मा, राज्यपाल के विधिक सलाहकार भीष्प प्रताप पाण्डेय सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, राज्यपाल के परिजन, विश्वविद्यालयों के कुलपति, मीडिया कर्मी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल रमेन डेका का जीवन परिचय इस प्रकार है-

छत्तीसगढ़ के 10 वें राज्यपाल रमेन डेका का जन्म 1 मार्च 1954 को असम के सुआलकुची, कामरूप (असम) में हुआ। उनके पिता का नाम स्वर्गीय सुरेंद्र नाथ डेका और माता का नाम स्वर्गीय चंपाबती डेका है। उनके परिवार में धर्म पत्नी रानी डेका काकोटी एवं दो बच्चे हैं। उन्होंने बीए की डिग्री दर्शनशास्त्र और अर्थशास्त्र विषय में प्राग्ज्योतिष कॉलेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय असम से प्राप्त की।

श्री रमेन डेका एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं। वे सन् 1977 से राजनीति में सक्रिय हैं। वे वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। रमेन डेका वर्ष 2006 में असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। डेका 2021 अगस्त माह से असम राज्य के नवाचार एवं रूपान्तरण आयोग के (कैबिनेट मंत्री का दर्जा) के उपाध्यक्ष पद पर 29 जुलाई 2024 तक रहे है।

वे दो बार सांसद रहे। पहली बार वर्ष 2009 में 15 वी लोकसभा के लिए असम के मंगलदोई सीट से सांसद चुने गये थे। इस दौरान वे गृह मामलों की स्थायी समिति के सदस्य, लोक लेखा के सदस्य, भारत भूटान संसदीय मैत्री समूह सदस्य, अधीनस्थ विधान समिति सदस्य, सदन की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति पर समिति सदस्य रहे। उसके बाद वर्ष 2014 में वे 16 वीं लोकसभा के लिए दुबारा सांसद निर्वाचित हुए। दूसरे कार्यकाल में वे डेका लोकसभा में अध्यक्षों के पैनल के सदस्य भी रहे।

इस दौरान सदस्य अनुमान समिति, सदस्य सलाहकार समिति, सदस्य विदेश मंत्रालय और प्रवासी भारतीय मामले, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना'' के तहत केंद्रीय सलाहकार समिति सदस्य, भारत-चीन संसदीय मैत्री समूह सदस्य, चाय बोर्ड के सदस्य का दायित्व निर्वहन किया। दूसरे कार्यकाल में ही सदस्य गृह मामलों की स्थायी समिति, सदस्य सामान्य प्रयोजन समिति, सदस्य उप समिति द्वितीय अनुमान समिति, सदस्य विदेश मामलों की स्थायी समिति रहे और 2021 से अभी तक नवाचार रूपान्तरण आयोग असम के उपाध्यक्ष रहे। डेका ने 31 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल पद की शपथ ली।

झुग्गी झोपड़ी में आग लगने से बड़ा हादसा, 3 बच्चियों की मौत

नोएडा। आरएनएस

दिल्ली से सटे नोएडा में बुधवार तडक़े बड़ा हादसा हो गया। यहां सेक्टर-8 स्थित फेज वन इलाके में एक झोपड़ी में आग लग गई, जिससे 3 बच्चियों की मौत हुई है।पुलिस ने बताया कि घटना के समय तीनों बच्चियां अपने माता-पिता के साथ झोपड़ी में सो रही थीं। तभी शॉर्ट सर्किट से आग लग गई और उन्हें भागने का मौका नहीं मिला।माता-पिता की हालत गंभीर है। उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक बच्चियों की पहचान 10 वर्षीय आस्था, 7 वर्षीय नैना और 5 वर्षीय आराध्या के रूप में हुई है। बच्चियों के पिता ई-रिक्शा चलाते थे।स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिता ने मंगलवार रात रिक्शा की बैटरी चार्ज करने को लगाई थी और पूरा परिवार एक कमरे में सो गया। तडक़े 4 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लगी तो कोई समझ नहीं पाया।आग तेजी से फैली, जिससे कमरे में सो रही बच्चियों की मौत हो गई और माता-पिता झुलस गए।

स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने 10 मिनट के अंदर आग पर काबू पा लिया।पुलिस का कहना है कि समय पर आग पर काबू पाने से बड़ा हादसा होने से बच गया क्योंकि आसपास की कई झोपडिय़ां आग की चपेट में आ सकती थीं।पुलिस के साथ मौके पर फॉरेंसिक टीम भी जांच के लिए पहुंची है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

नर्सरी में पढ़ने वाले छात्र ने तीसरी कक्षा के छात्र को मारी गोली, हालत गंभीर

❐ बिहार के सुपौल में अजीबो-गरीब घटना

पटना। आरएनएस

बिहार के सुपौल में एक अजीबो-गरीब मामला देखने को मिला है। यहां त्रिवेणीगंज के लालपट्टी स्थित सेंट जॉन बोर्डिंग स्कूल में एक चौंकाने वाली घटना देखने को मिली है। यहां नर्सरी में पढ़ रहे 5 वर्षीय छात्र के बैग में कुछ ऐसा मिला जिसे देखकर सभी लोग दंग रह गए। दरअसल नर्सरी के छात्र एकलव्य कुमार अपने बैग में हथियार लेकर स्कूल पहुंचा था। प्रार्थना से पहले नर्सरी के छात्र ने तीसरी क्लास के छात्र आसिफ पर होली चला दी। यह गोली आसिफ के बाएं हाथ में लगी, जिस कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसिफ को आनन-फानन में इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और स्कूल प्रशासन से भी पूछताछ की जा रही है कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाही हो कैसे गई। इस घटना की जानकारी जिसे हो रही है, हर कोई सुनकर दंग हो रहा है कि आखिर नर्सरी के बच्चे के पास बंदूक कैसे पहुंची। इसके अलावा नर्सरी के बच्चे ने गोली कैसे चलाई और किसी को मारने का प्रयास कैसे किया। बता दें कि यह घटना बच्चों के माता-पिता के लिए भी चिंता का विषय बन चुकी है। स्कूलों में सुरक्षा और छात्रों के बैग की जांच की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है। माता-पिता और अभिभावकों ने भी इस घटना को लेकर चिंता व्यक्त की है।

बता दें कि नर्सरी क्लास में पढ़ रहे एकलव्य की आयु 5 वर्ष है। वहीं तीसरी कक्षा में पढ़ रहे आसिफ की उम्र 10 साल है। गोली आसिफ के बाएं हाथ में लगी है। हालांकि अस्पताल में आसिफ का इलाज जारी है। बता दें कि पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और लोगों से पूछताछ की जा रही है कि ये लापरवाही हुई कैसे। बता दें कि यह घटना बेहद चौंकाने वाली है और बिहार सरकार की पोल खोलती है कि आखिर एक छोटे बच्चे तक हथियार पहुंचा कैसे।

दिल्ली के राजेंद्र नगर में छात्रों को पुलिस ने प्रदर्शन से रोका, हटाए बैनर पोस्टर

नई दिल्ली। आरएनएस

यूपीएससी छात्रों की मौत को लेकर राजेंद्र नगर इलाके में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों को पुलिस अपने साथ बस में बैठाकर दिल्ली सरकार के शीर्ष अधिकारियों से बात करने ले गई है। इनके समक्ष छात्र अपनी बात रखेंगे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उन्हें पुलिस बस में बैठाकर ले जा रही है।

छात्रों ने कहा कि हम अपने साथी छात्रों को इंसाफ दिलाकर रहेंगे। लेकिन यह अफसोस की बात है कि हमें विरोध-प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है। पुलिस ने प्रदर्शन स्थल पर बैरिकेड लगा दिए हैं, ताकि छात्रों को प्रदर्शन करने से रोका जाए। पुलिस से पूछा गया कि आप छात्रों को प्रदर्शन करने से क्यों रोक रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व से निर्देश मिला है। इस बीच कई छात्रों ने संतुष्टि जाहिर की है कि उन्हें अपनी बात रखने के लिए उच्च अधिकारियों के पास ले जाया जा रहा है, जहां वो अपनी बात रख सकेंगे।

अपने साथियों की मौत से आक्रोशित छात्रों ने नगर निगम, दिल्ली सरकार और दिल्ली फायर सर्विस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पिछले कई दिनों से छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अपनी आवाज उठाने के लिए सोशल मीडिया पर कई तरह के मंच बनाए हैं, जहां छात्र प्रदर्शन को धार देने के प्रयास में जुटे हुए हैं। अब तक पांच हजार छात्र इन सोशल मीडिया मंचों पर जुड़ चुके हैं, जहां वो अपनी बात रख रहे हैं।

अन्य राज्यों से भी कई छात्र दिल्ली में आकर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं। उनका कहना है कि दिल्ली ही नहीं, बल्कि कई राज्यों के शिक्षण संस्थानों में नियमों की अनदेखी की जा रही है और प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है। प्रशासन के संरक्षण में कोचिंग संस्थान नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, जिसकी वजह से छात्र को अपनी जान गंवानी पड़ रही है।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि दिल्ली सहित अन्य राज्यों में कई जर्जर इमारतों में कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं और हैरानी की बात है कि वहां बड़ी संख्या में छात्र पढऩे जाते हैं। यहां कभी भी कुछ भी हो सकता है। ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि इन कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, लेकिन दुख की बात यह है कि कोचिंग संस्थानों द्वारा प्रशासन के मुंह में भारी भरकम रकम ठुसी जाती है, ताकि वो अपना कोचिंग चला सकें।

बता दें कि बीते दिनों ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में यूपीएससी की तैयारी करने वाले कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में पानी घुस गया था। इसमें तीन छात्रों की मौत हो गई थी।

वाराणसी में गंगा उफान पर, 84 घाटों का संपर्क टूटा, अब मंदिरों तक पहुंचा पानी

वाराणसी। आरएनएस

दुनिया के प्राचीन शहरों में से एक वाराणसी में इन दिनों गंगा अपने रौद्र रूप में है। भारी मानसूनी बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी की वजह से वाराणसी के गंगा घाटों का नजारा डरावना हो गया है। बारिश की वजह से गंगा के किनारे 20 फीट से ज्यादा पानी भर गया है, जिसकी वजह से प्रशासन ने लोगों को गंगा घाट के किनारे न जाने की सलाह दी है। गंगा का जलस्तर एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की स्पीड से बढ़ रहा है, लिहाजा घाटों के किराने सभी मंदिर जलमग्न हो गए हैं। इसके अलावा भीषण जलभराव की वजह से 84 घाटों का आपसी संपर्क टूट गया है।

वाराणसी के मणिकर्णिका घाट भी बाढ़ के पानी की वजह से जलमग्न हो चुका है। शवों को जलाने के लिए जगह की कमी पड़ रही है। मणिकर्णिका घाट के बारह से आठ अग्नि केंद्र जलमग्न हो चुके हैं। जिसकी वजह से लोग शवदाह घाट की ऊपरी सतह पर करने को मजबूर हैं। पानी बढऩे की वजह से भारी संख्या में पहुंचने वाले शव के अंतिम संस्कार करने के लिए भी इंतजार करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों की मानें तो गंगा का जलस्तर अगर इसी तरह बढ़ता रहा तो पूरा शहर जलमग्न हो सकता है।लकड़ी व्यापारी नितेश यादव ने बताया पिछले दो से तीन दिनों में बहुत तेजी से पानी बढ़ा है। पानी की रफ्तार तेज हुई है। शवदाह के लिए नीचे के आठ प्लेटफार्म डूब गए हैं। बस ऊपर का हिस्सा बचा हुआ है, जहां लोग अपने परिजनों का अंतिम संस्कार कर रहे हैं।

वायनाड में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 158 हुई, सैकड़ों लोग अभी भी लापता : सर्च ऑपरेशन जारी

वायनाड। आरएनएस

केरल के वायनाड में 30 जुलाई को तडक़े हुई भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढक़र 158 हो गई है. जबकि अभी भी सैकड़ों लोग लापता हैं जिनकी मलबे में तलाश की जा रही है. इस प्राकृतिक आपदा में 128 लोग घायल भी हुए हैं जिन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है. बता दें कि केरल में पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है. जिसके चलते मंगलवार तडक़े वायनाड में एक के बाद एक तीन बार भूस्खलन हुआ. जिससे दूरदराज के एक गांव का अधिकांश हिस्सा मलबे में दब गया. लोग मलबे में दब गए, सडक़ें और पुल भी ढह गए. बताया जा रहा है कि साल 2018 के बाद से ये राज्य की सबसे खराब मानसून आपदा है.

बता दें कि दक्षिणी केरल जिले में सोमवार और मंगलवार को 572 मिमी बारिश हुई, जिससे चूरलमाला गांव में रात 1 बजे से सुबह 4 बजे के बीच दो बार भूस्खलन हुआ. जिससे मुंडक्कई गांव में पानी और कीचड़ की तेज धारा बह गई और दोनों बस्तियों के बीच बना एक पुल ढह गया. इससे पहले भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस दौरान क्षेत्र के लिए केवल 64 मिमी से 200 मिमी बारिश का अनुमान लगाया था.

वायनाड में हुए भूस्खलन के मलबे में दबे लोगों की लगातार तलाश की जा रही है. सर्च ऑपरेशन में सेना और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने टीच लगी हुई हैं. लेकिन लगातार हो रही बारिश के चलते सर्च ऑपरेशन में परेशानी हो रही है. भारी बारिश के चलते इरुवानझिनजी नदी का जलस्तर भी काफी बढ़ गया है. जिसके कारण सेना को जोखिम भरे इलाकों से होकर गुजरना पड़ा. भारतीय वायु सेना के दो हेलिकॉप्टर प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किए गए हैं.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी समेत तमाम राजनेताओं ने वायनाड हादसे पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की है. इसके साथ ही राज्य में दो दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है. केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मंगलवार शाम को अपने मंत्रिमंडल और वरिष्ठ नौकरशाहों के साथ बैठक की. जिसके बाद उन्होंने बचाव और राहत प्रयासों की निगरानी के लिए आपदा प्रबंधन विभाग के प्रभारी के राजन सहित पांच मंत्रियों को वायनाड भेजा.

सर्च ऑपरेशन में लगे सेना और एनडीआरएफ के जवानों को कई शव घटनास्थल से सात किमी दूर नदी में मिले है. बताया जा रहा है कि बाढ़ से

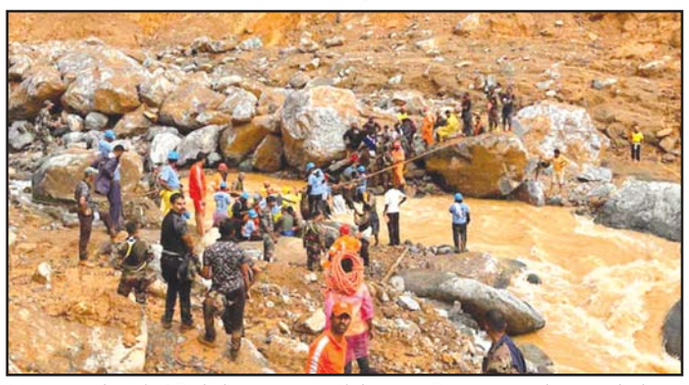

बहे कई पीडितों के शव मुंडक्कई से सात किलोमीटर दक्षिण में नीलांबुर गांव में चलियार नदी के पानी में पाए गए. स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश पीडित चाय बागानों में काम करते थे और मुख्य सडक़ों के किनारे या बागानों के आधार पर बने छोटे घरों में रहते थे. मंगलवार शाम 4 बजे तक अधिकारियों ने 34 शवों की पहचान कर ली थी और 18 शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया था.

राज्य सरकार के अनुमान के मुताबिक, 2017 के बाद से केरल में अत्यधिक बारिश और भूस्खलन के कारण करीब 900 लोगों की मौत हुई है. इससे पहले अगस्त 2019 में, मेप्पडी में एक बड़ा भूस्खलन हुआ था. उसी वर्ष, पुथुमाला गांव एक पहाड़ी लगभग पूरी तरह से खिसक गई थी. जिससे इसके रास्ते में आने वाली सभी चीजें नष्ट हो गईं. लगभग उसी समय, मल्लापुरम में एक पहाड़ी ढह गई और 44 परिवारों का एक गांव बलबे में दब गया था.

सेना का बचाव अभियान तेज, एक हजार लोगों को किया रेस्क्यू

केरल के वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 159 पहुंच गई है। जबकि 90 से अधिक लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं।

इस भीषण त्रासदी के बाद सेना, वायुसेना, नौसेना, एनडीआरएफ, पुलिस और फायर फोर्स की टीमें बचाव अभियान में जुटी हुई हैं। भारतीय सेना के दक्षिणी कमान ने बचाव अभियान की जानकारी दी। सेना के दक्षिणी कमान ने बताया कि वायनाड में भूस्खलन के बाद एनडीआरएफ, राज्य बचाव दल, कोस्ट गार्ड, नौसेना और वायुसेना के साथ इंडियन आर्मी संकट के इस समय में लगातार काम कर रही हैं। मानव निर्मित पुल बनाकर अब तक 1000 लोगों को बचाया गया है। सेना की टुकड़ी ने करीब 70 शव बरामद किए हैं।

एक्स पर पोस्ट में कहा गया, भारतीय वायुसेना के विमान एएन-32 और सी-130 द्वारा त्रिवेंद्रम से दो अतिरिक्त सेना टुकडिय़ां मंगलवार को 10:30 बजे कालीकट पहुंची। इन टुकडिय़ों ने शाम 6 बजे वायनाड के लिए अपनी आगे की यात्रा शुरू की। बुधवार सुबह 6:45 बजे तक छुट्टी पर गए आर्मी ऑफिसर मिशन में शामिल होने के लिए स्वेच्छा से आगे आए हैं।

दक्षिणी कमान ने बताया कि मद्रास इंजीनियर ग्रुप और सेंटर से इंजीनियर टास्क फोर्स भूस्खलन साइट पर पहुंच गई है। यहां 170 फीट का पुल बनाने की योजना है। मेप्पाडी-चूरलमाला रोड पर बचाव कार्य जारी है। तीन बेली ब्रिज, जेसीबी और टाट्रा ट्रक भी जल्द ही वायनाड पहुंचकर बचाव अभियान में जुट जाएंगे।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया, दिल्ली से भी वायनाड के लिए मदद भेजी गई है। वायु सेना के विमान सी-130 के जल्द ही कन्नूर पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय कर वायनाड के लिए सडक़ मार्ग से आवाजाही शुरू की जाएगी। बुधवार सुबह स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रभावित स्थानों का दौरा किया गया है।

बता दें कि वायनाड के चूरलपारा में मंगलवार को भीषण भूस्खलन हुआ। जिसमें अब तक 159 लोगों की जान जा चुकी है। बताया जा रहा है कि भूस्खलन रात करीब 2 बजे हुआ और इलाका पूरी तरह से कट गया है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पोथुकालू शामिल हैं। इन इलाकों के स्थानीय लोग जो किसी तरह बच निकलने में कामयाब रहे, तबाही की भयावहता से बुरी तरह टूट चुके हैं।